प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सामुदायिक रेडियो का पांचवां वार्षिकोत्सव आयोजित

पंतनगर। 17 अगस्त, 2016। पंतनगर विष्वविद्यालय की सामुदायिक रेडियों सेवा 'पंतनगर जनवाणी' के पांच सफल वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिकोत्सव का आयोजन कल सायं कृषि महाविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विष्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. जे. कुमार उपस्थित थे। संयुक्त निदेषक संचार, डा. एस.के. कष्यप, ऊधमसिंह नगर के नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी, श्री विषाल शर्मा; जिला सेवायोजन अधिकारी, श्रीमती अनुभा जैन; और जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, श्री वी.सी. बुधानी भी इस अवसर पर मंचासीन थे।

मुख्य अतिथि डा. जे. कुमार, ने कहा कि पंतनगर विष्वविद्यालय द्वारा संचार माध्यम के लिए 15 अगस्त 2011 में प्रारम्भ किया गया एक छोटा प्रयास आज अपने पांच वर्ष के उपरान्त एक सषक्त माध्यम बन गया है और इन पांच वर्षों में पंतनगर जनवाणी को अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों के इस सफर में पंतनगर जनवाणी के परिवार का दायरा कितना बढ़ गया है इस बात का अंदाजा इस कार्यक्रम में उपस्थित आस–पास के क्षेत्रों के विभिन्न समुदायों से आये सदस्यों को देखकर लगाया जा सकता है। डा. कुमार ने कहा कि जनवाणी द्वारा किये गये प्रयास सराहनीय हैं और मुझे विष्वास है कि आने वाले वर्षों में पंतनगर जनवाणी का दायरा और बढ़ेगा।

डा. एस.के. कष्यप, ने पंतनगर जनवाणी के पांच वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया की रेडियो कार्यक्रम की अपनी जटिलतायें हैं परन्तु पंतनगर का प्रषासन और ग्रामीणों एवं समुदाय का सहयोग कुछ अलग करने तथा बदलाव लाने में सहयोग करता है। उन्होंने अगले एक वर्ष में पंतनगर जनवाणी को गांव–गांव तक पहुंचाने का वादा किया।

श्रीमती अनुभा जैन ने सामुदायिक सदभावना को बढ़ाने में पंतनगर जनवाणी के प्रयासों की सराहना की। श्री वी.सी. बुधानी ने पंतनगर जनवाणी को सरकारी योजनाओं को क्षेत्र के सबसे निचले तबके तक पहुंचाने का एक सषक्त माध्यम बनाने की बात कही। श्री विषाल शर्मा, ने समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ जोड़ने के लिए पंतनगर जनवाणी के पांच वर्षों के कार्यों को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम की शुरूआत बिन्दुखत्ता से आये श्री सोहन लाल और उनके समूह के सदस्यों द्वारा की गयी सरस्वती वन्दना तथा दीप प्रज्वलन से हुयी। इसके उपरान्त रेडियो कार्यक्रम निर्माता, श्री संजय कुमार, ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर षिक्षिका डा. मंजू पाण्डेय, डा. किरन पाण्डेय, राम आषीष प्रजापति, लेखक एवं कवि सुबोध कुमार शर्मा, के.पी. सिंह; वी.डी.सी. अधिकारी, श्री रंजीत मलिक; स्वत्रंता सेनानी, श्री अविनाष गुप्ता; छात्रा, कुमारी बबीता अधिकारी, ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सम्मान पत्र वितरित किये गये, धन्यवाद ज्ञापन प्रयोगषाला तकनीषियन (रेडियो), श्री श्याम सिंह, द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति कोठारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में हरीपुरा, चरनपुरा, खटोला, दिनेषपुर, बिन्दुखत्ता, किच्छा, लालकुआं, बहेड़ी तथा आस–पास के क्षेत्र से लगभग 100 से भी अधिक स्वयं सेवक मौजूद थे।

वार्षिक उत्सव में मंचासिन डा. जे. कुमार (बांये से तीसरे) एवं अन्य अतिथिगण (उपर) एवं स्वयं सेवको के साथ डा. जे. कुमार।

टमाटर की कीमतें में 1100 प्रति कुन्तल तक रहने की संभावना

पंतनगर। 17 अगस्त, 2016। आने वाले मौसम में टमाटर की थोक कीमतें किसानों को 1100 रू. प्रति कुन्तल तक प्राप्त हो सकती हैं। यह अनुमान पंतनगर विष्वविद्यालय के कृषि अर्थषास्त्र विभाग में चल रही, एन.पी.एम.आई. षोध परियेाजना ''नेटवर्क प्रोजेक्ट आन मार्केट इंटेलीजेंस'' में कार्यरत वैज्ञानिकों ने लगाया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देष्य चुनी हुई कृषि जिन्सों की बुवाई से पूर्व एवं फसल कटाई के दौरान कीमतों का पूर्वानुमान लगाना है। पंतनगर की परियोजना टीम ने डा. अनिल कुमार, परियोजनाधिकारी, के निर्देषन मे हल्द्वानी नियमित कृषि उत्पादन मण्डी समिति जो कि उत्तराखण्ड की एक मुख्य मण्डी है, का बाजार सर्वेक्षण एवं पिछले 13 वर्षो की थोक कीमतों का विष्लेषण करने के पष्चात कीमतों का पूर्वानुमान लगाया है। विष्लेषण द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि टमाटर की थोक कीमतें नवम्बर 2016 से जनवरी 2017 तक रु. 1000 से रु. 1100 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना है। यह पूर्वानुमान पिछले वर्षो के आंकड़ों तथा माडल पर आधरित है अतः पूर्वानुमातिन कीमतें बाजार की कीमतों से कम या ज्यादा भी हो सकती हैं।

वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि जो किसान इस मौसम में टमाटर की फसल उत्पादित करने जा रहे हैं, वे टमाटर के अन्तर्गत बुवाई के लिए क्षेत्रफल का चुनाव उपरोक्त पूर्वानुमान को ध्यान मे रखते हुए कर सकते है।

(नरेष कुमार)
सामाचार समन्वयक